



GR

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15] नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 10, 1982/श्रावण 19, 1904
No. 15] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 10, 1982/ SRAVANA 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

रक्षा मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1982

का. नि. आ. 17(अ) :—महान्तर सेना (आपात ड्यूटियों) अधिनियम, 1947
(1947 का 15वां) की धारा 2 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, केंद्रीय सरकार एतद्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य में बिजली के उत्पादन,
वितरण, प्रचालन और रख-रखाव से सम्बन्धित सेवा के प्रत्येक भाग को अथवा
इनसे सम्बद्ध सभी सेवाओं को समाज के लिए अत्यधिक महत्व की सेवा घोषित
करती है ।

[फाइल सं. 2(81)82-डी(जी.एस. 1)]

के. ए. नम्बियार, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 1982

S. R. O. 17-E :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947) the Central Government hereby declares every service forming part of, or connected with, the generation, supply, operation, and maintenance of electricity in the State of Andhra Pradesh to be a service of vital importance to the community.

[F. No. 2(81)/82/D(GS. I)]
K. A. NAMBIAR, Jt. Secy.